सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 302 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 13 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

एक चुतर व्यक्ति समस्या को हल कर देता है। लेकिन एक बुद्धिमान व्यक्ति उससे बच जाता है।
-अल्बर्ट आंडस्टीन

व्यापारी विरोधी है योगी ... 2
निकाय चुनाव के नतीजे तय... 3
जौनपुर में सभासद की गोली... 7

चीनी घुसपैठ पर गरमाया शीत सत्र संसद के दोनों सदनों में विपक्ष का संग्राम, घंटों रही कार्यवाही बाधित

कांग्रेस के मल्लिकार्जुन खरगे ने पूछा सवाल-सरकार ने कहा था हमारी सीमा में कोई नहीं घुसा है, फिर चीनी सैनिकों से कैसे हुई झड़प?

सरकार का दावा, दोनों ओर के कमांडरों की हुई फ्लैग मीटिंग, तय व्यवस्था के तहत शांति-स्थिरता कायम करने पर की चर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मंगलवार को संसद का शीत सत्र भारत की सीमा में चीनी घुसपैठ के मुद्दे पर गरमा गया। दोनों सदनों में जोरदार हंगामा हुआ और विपक्ष ने सरकार पर जमकर निशाना साधा। राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सरकार ने दावा किया था कि हमारी सीमा में कोई नहीं घुसा है, लेकिन चीन ने भारत की सीमा में घुसपैठ की है। कहा कि एलएसी पर चीनी सेना के हमले में भारतीय सैनिक घायल हुए है, मगर सरकार इस मसले पर देश को गुमराह कर रही है।

हंगामे के बीच लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एक घंटे के लिए सदन की कार्यवाही स्थगित रखी। सदन में कांग्रेस समेत पूरा विपक्ष इस मसले पर सरकार पर हमलावर दिखाई दिया। उधर, संसद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस मामले में मंत्रियों के साथ मंत्रणा की।

● **सैनिकों के बीच नौ दिसंबर को हुई थी झड़प :** सदन में सरकार ने बताया कि एलएसी पर चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के सैनिकों का जमावड़ा पांच दिन पूर्व यानी 9 दिसंबर को देखा गया था। भारतीय सेना के जवानों ने चीनी सेना को वहां से हटने के लिए कहा। इसके बाद हुई झड़प में दोनों पक्षों के सैनिकों को चोटें आईं। झड़प के तत्काल बाद दोनों पक्ष अपने इलाकों में लौट गए। सरकार की ओर से बताया जा रहा है कि चीनी सैनिकों की तरफ से अचानक हुए इस हमले का मुहंतोड़ जवाब दिया गया। जहां भारत की तरफ से 20 सैनिक जख्मी हुए, वहीं चीन के घायल सैनिकों की संख्या अधिक है।

तवांग पर रक्षामंत्री का तीन मिनट में जवाब, विपक्ष ने चर्चा से भागने का आरोप लगाकर किया वॉकआउट

तवांग इलाके में भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने लोकसभा और राज्यसभा में सरकार की ओर से बयान दिया। राजनाथ ने कहा- 9 दिसंबर 2022 को पीएलए ट्रूप्स ने तवांग में एलएसी का उल्लंघन कर नियम तोड़े थे। भारतीय सेना ने पीएलए को अतिक्रमण से रोका। उन्हें उनकी पोस्ट पर जाने के लिए मजबूर कर दिया। तीन मिनट के अपने बयान में रक्षा मंत्री ने कहा कि इस घटना में दोनों ओर के कुछ सैनिकों को चोटें भी आई हैं। हमारे किसी भी सैनिक की न तो मृत्यु हुई है और न कोई गंभीर रूप से घायल हुआ है। समय से हमने हस्तक्षेप किया। इसकी वजह से चीनी सैनिक वापस चले गए। इसके बाद लोकल कमांडर ने 11 दिसंबर को चाइनीज काउंटर पार्ट के साथ व्यवस्था के तहत फ्लैग मीटिंग की। चीन को ऐसे एक्शन के लिए मना किया गया और शांति बनाए रखने को कहा। उधर, विपक्ष ने इस बयान के बाद सरकार पर सदन में चर्चा से भागने का आरोप लगाकर वॉकआउट कर दिया।

रक्षामंत्री ने सीडीएस और तीनों सेना प्रमुखों के साथ की हाई लेवल मीटिंग

नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश के तवांग सेक्टर में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीनी सैनिकों के बीच झड़प के मुद्दे पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उच्च स्तरीय बैठक की। इस बैठक में चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेना प्रमुख रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को घटना के बारे में विस्तार से जानकारी ली। बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शामिल हुए। कांग्रेस जहां प्रधानमंत्री मोदी से जवाब की मांग कर रही है वहीं विपक्ष के कई सांसदों ने सस्पेंशन ऑफ बिजनेस नोटिस दिया।

- **विदेश मंत्री एस जयशंकर भी उच्च स्तरीय बैठक में हुए शामिल**
- **सरकार ने सेना के अधिकारियों से ली पूरे मामले पर जानकारी**

इतिहास के पन्ने

- 1962 में दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा टकराव हुआ, जो युद्ध में तब्दील हो गया।
- 1967 में नाथु ला दर्रे पर हुआ टकराव।
- 1967 में ही सिक्किम तिब्बत बॉर्डर के चोला में घटना हुई थी और ये जगह नाथू ला के पास ही थी। उस समय भारत के 80 सैनिक शहीद हुए थे। चीन के 300 से 400 सैनिक मारे गए थे।
- 1975 को चीन ने एलएसी क्रॉस कर भारतीय सेना पर हमला किया।
- 1987 में भी टकराव हुआ, ये टकराव तवांग के उत्तर में समदोरांग चू रीजन में हुआ।
- मई-जून 2020 में हुआ था पूर्वी लद्धाख सेक्टर में विवाद।
- 2020 में ही दोनों देशों के सैनिकों के बीच पूर्वी लद्दाख की पैंगोंग त्सो झील के उत्तरी किनारे पर झड़प हो गई थी। उस झड़प में दोनों तरफ के कई सैनिक घायल हो गए थे। यहीं से तनाव की स्थिति बढ़ गई थी।
- 15 जून 2020 की रात को गलवान घाटी पर भारत और चीन के सैनिक आमने-सामने आ गए थे।
- 2021 में इसी जगह पर दोनों सेनाएं आमने सामने आई थीं। तब भारतीय सेना ने चीन के कई सैनिकों को घंटों बंधक बना कर रखा था। बातचीत के बाद उन्हें छोड़ दिया गया था।
- 2022 में तवांग में भारत-चीन के सैनिकों में घुसपैठ पर हुई झड़प।

कब्जाने नहीं देंगे एक इंच जमीन : अमित शाह

तवांग संघर्ष पर गृह मंत्री अमित शाह ने प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने कहा कि भारत के एक इंच जमीन पर कोई भी कब्जा नहीं कर सकता है। हमारे जवानों ने 8 दिसंबर की रात और 9 दिसंबर की सुबह को जो वीरता दिखाई है, मैं इसकी प्रशंसा करता हूं। सेना ने कुछ ही देर में घुसे हुए सभी लोगों को भगा दिया और हमारी भूमि की रक्षा की।

व्यापारी विरोधी है योगी सरकार : अखिलेश

जीएसटी के छापों पर बोले, यह अवैध वसूली और भ्रष्टाचार का नया तरीका

» सपा प्रमुख ने कहा- व्यापारियों की न्यायसंगत मांगों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी हमारी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में व्यापारियों पर हुई जीएसटी छापेमारी को लेकर समाजवादी पार्टी के मुखिया और प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर करारा हमला बोला है। सपा प्रमुख ने कहा कि इन दिनों भाजपा सरकार जीएसटी जांच के नाम पर व्यापारियों को परेशान करने में लगी है। व्यापारी विरोध में बाजार बंद कर रहे हैं, जनसामान्य परेशान और व्यापार ठप्प है। उन्होंने इस जीएसटी छापेमारी को वसूली और भ्रष्टाचार का एक नया तरीका बताया। साथ ही कहा कि सपा व्यापारियों की हितैषी है और उनकी न्यायसंगत मांगों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। जीएसटी और अन्य विभागों द्वारा उत्पीड़नकारी कार्यवाहियों को तत्काल बंद करने की भी मांग की।

सरकार पर निशाना साधते हुए अखिलेश ने कहा कि सरकार व्यापारी हितैषी नहीं बल्कि व्यापारी विरोधी सरकार है। अब व्यापारियों को अपमानित तथा बर्बाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों से सम्मानजनक ढंग से पूछताछ की जा सकती है, हिसाब-किताब देखा जा सकता है। उन्होंने आगे कहा कि जिस तरह से बीजेपी सरकार ने किसानों, नौजवानों को धोखा दिया है, वैसे ही वह व्यापारियों के साथ भी छल कर रही है। नोटबंदी के बाद, जीएसटी से हर क्षेत्र में असंतोष है। अभी तक जीएसटी की अंतिम निर्णायक दरें तक तय नहीं हो सकी है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार एक ओर तो प्रदेश की तरक्की के लुभावने सपने दिखाती है। वहीं दूसरी ओर देश की अर्थव्यवस्था में मुख्य भागीदारी निभाने वाले व्यापारी वर्ग का उत्पीड़न करने में पीछे नहीं है। पांच साल बाद उसे होश आया और अब प्रदेश में उद्यमों के विकास के लिए विदेशी उद्यमियों से मदद मांगने जाना पड़ रहा है। यहां के उद्यमियों, व्यापारियों को जीएसटी के छापों से भयभीत किया जा रहा है। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन डालर तक पहुंचाने की कोशिशों का इससे बढ़कर और क्या मजाक हो सकता है। सपा मुखिया ने सरकार को नसीहत देते हुए बताया कि व्यापारियों के उत्पीड़न के बजाय उनके व्यापार को बढ़ाने में मदद करनी चाहिए। अखिलेश ने सवाल किया कि ओडीओपी का बजट कहां दिया। डिफेंस एक्सपो का भी कोई सार्थक नतीजा नहीं नजर आ रहा है। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी सरकार सिर्फ झूठे और लुभावने वादों से लोगों को भटकाने का काम ही करती है।

'मोदी को मारो' बयान देने वाले पूर्व मंत्री राजा गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पन्ना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित टिप्पड़ी करने वाले कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मंत्री राजा पटेरिया को आज सुबह पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पन्ना पुलिस ने उनके कथित 'मोदी को मारो' वाले बयान के सिलसिले में उनके आवास से हिरासत में लिया है।

उनके खिलाफ सोमवार को पन्ना के पवई में एफआईआर दर्ज की गई थी। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा से लेकर भाजपा के कई नेताओं नेराजा पटेरिया के इस बयान कीकड़े शब्दों में निंदा की। इसके बाद गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के निर्देश पर पन्ना पुलिस ने पटेरिया के खिलाफ शांतिभंग और वैमनस्य फैलाने के आरोप में एफआईआर दर्ज की थी। अपने बयान पर सफाई देते हुए राजा पटेरिया का कहना है कि मैंने हत्या करने की बात नहीं कही, बल्कि अगले चुनाव में मोदी को हराने की बात कही है। फ्लो में हो जाता है।

दरअसल, राजा पटेरिया रविवार को पन्ना में कांग्रेस के एक कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे थे। इसी कार्यक्रम का एक वीडियो वायरल हुआ। वायरल वीडियो में राजा पटेरिया कहते दिख रहे हैं कि मोदी इलेक्शन खत्म कर देगा। मोदी धर्म, जाति, भाषा के आधार पर बांट देगा। दलितों का, आदिवासियों का, अल्पसंख्यकों का भारी जीवन खतरे में है। संविधान यदि बचाना है तो मोदी की हत्या करने के लिए तत्पर रहो, हत्या इन द सेंस हराने का काम करो।

नगर निकाय चुनाव

तारीखों के ऐलान पर फिलहाल कोर्ट की रोक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव की तारीखों का ऐलान करने पर फिलहाल इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने राज्य निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने से रोका है।

निकाय चुनाव में ओबीसी को आरक्षण देने के मुद्दे पर दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सरकार से मांगा है। ओबीसी को आरक्षण देने के नियमों का पूरा ब्यौरा कल हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में पेश होगा, इसके बाद मामले की सुनवाई होगी। तब तक राज्य निर्वाचन आयोग को निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी करने से हाईकोर्ट ने रोका है। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव की बेंच ने निर्देश दिए हैं। अगर यह रोक कल के बाद भी बढ़ती है तो निकाय चुनाव फंस सकते हैं। हालांकि चुनाव के 15 दिसबंर को घोषित होने के आसार थे।

प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा में भिड़े कांग्रेसी, चले लाठी-डंडे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कौशांबी। कांग्रेस पूर्व अध्यक्ष राहुल की गांधी 'भारत जोड़ो यात्रा' की तरह ही प्रादेशिक स्तर पर भी जिले के स्थानीय नेताओं द्वारा भारत जोड़ो यात्रा निकाली जा रही है। इसी क्रम में कौशांबी जिले की नगर पालिका भरवारी के रेलवे फाटक के करीब कांग्रेस की प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा में सोमवार को जमकर लाठी-डंडे व पत्थर चले। करीब 15 मिनट तक सड़क पर अराजकता के चलते कई राहगीर, स्थानीय पटरी दूकानदार प्रभावित हुए। किसी को चोट आई तो किसी का पूरा ठेला ही मारपीट में पलट गया।

बताया जा रहा है कि पार्टी में पीसी सदस्य व पूर्व प्रधान के 2 गुट आपसी रंजिश में विवाद कर बैठे। जिसका वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो गया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने मारपीट की घटना की जानकारी होने पर इंकार किया है। जिले के भरवारी नगर पालिका के रोही बाईपास से कस्बा होते हुए प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा सोमवार को कांग्रेस नेताओं ने निकाली। पदयात्रा का नेतृत्व कांग्रेस के प्रांतीय

प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने किया। यात्रा करीब 15 किलोमीटर दूर तय होनी थी। जिसमें स्थानीय स्तर पर कांग्रेस के नेताओं ने हिस्सा लिया। नगर पालिका भरवारी के रोही गांव के निकट से शुरू होकर यात्रा भरवारी कस्बे से होते हुए दिल्ली हावड़ा रेलवे फाटक के पास पहुंची। इसी दौरान कांग्रेस के पीसीसी सदस्य मिस्बाउल ऐन व पूर्व प्रधान हटवा (पूरामुफ्ती प्रयागराज) के समर्थक आसपास में किसी बात को लेकर कहासुनी करने लगे। देखते ही देखते कहासुनी का विवाद मारपीट में बदल गया। इसमे स्थानीय राहगीर एवं पटरी दुकानदार का सारा सामान तहस-नहस हो गया। कांग्रेसियों में मारपीट के सवाल पर जिलाध्यक्ष अरुण विद्यार्थी ने बताया कि उन्हें प्रादेशिक भारत जोड़ो यात्रा में मारपीट होने की कोई जानकारी नहीं है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मालती हत्याकांड में अदालत का फैसला

रिटायर्ड डीआईजी की पत्नी अलका मिश्रा को उम्रकैद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सियासी वर्चस्व को लेकर जून 2004 में भाजपा नेता मालती शर्मा की हत्या और हत्या की साजिश रचने के मामले में भाजपा की पूर्व पार्षद व रिटायर्ड डीआईजी पीके मिश्रा की पत्नी अलका मिश्रा, सिपाही राजकुमार राय, रोहित सिंह और आलोक दुबे को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडीजे विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने सभी दोषियों पर जुर्माना भी लगाया है।

अलका मिश्रा भाजपा के अवध क्षेत्र की पूर्व उपाध्यक्ष रहीं हैं। सर्वोदय नगर में सात जून, 2004 को गुडंबा के कल्याणपुर निवासी मालती की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में कोर्ट ने 9 दिसंबर को चारों आरोपियों को दोषी ठहराया था, लेकिन अलका मिश्र कोर्ट से फरार हो गई थी। इस पर कोर्ट ने गिरफ्तारी वारंट जारी किया था जिसके बाद पुलिस ने रविवार को अलका मिश्रा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

अदालत ने सोमवार को सभी आरोपियों को आजीवन कारवास की सजा सुनाई। कोर्ट ने अलका मिश्रा और आलोक दुबे को हत्या की साजिश रचने, राजकुमार राय को हत्या, अपहरण, साजिश रचने व आर्म्स एक्ट और रोहित सिंह की हत्या और आर्म्स एक्ट में दोषी ठहराया है। साथ ही अलका मिश्रा व आलोक दुबे पर 10-10 हजार, राजकमार राय पर 35 हजार और रोहित सिंह पर 15 हजार जुर्माना भी लगाया है।

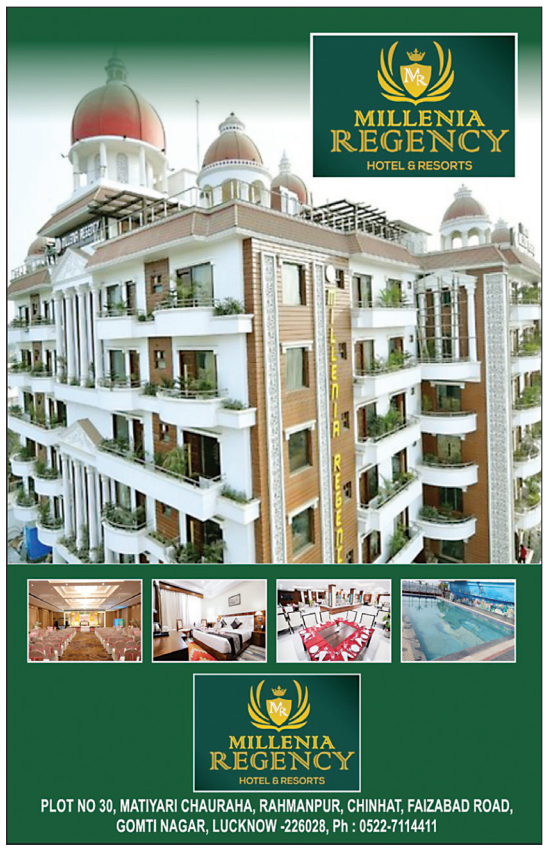

निकाय चुनाव के नतीजे तय करेंगे बसपा की सियासी राह

दलित और मुस्लिम के समीकरण को साधने में जुटी हैं मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में इस समय हाशिये पर चल रही बहुजन समाद पार्टी की मुखिया मायावती एक बार फिर अपने पुराने तेवर लौटती दिख रही हैं। 2024 लोकसभा चुनाव और निकाय चुनाव को ध्यान में रखकर मायावती फिर से सक्रिय होती दिख रही हैं। पिछले दो विधानसभा चुनाव से बसपा को सिर्फ निराशा ही हाथ लग रही है। 2022 के विधानसभा चुनाव में तो बसपा सिर्फ एक सीट पर सिमट कर रह गई। लोग तो यहां तक कहने लगे कि अब बसपा ही खत्म हो जाएगी। हालांकि, 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक सीट पर जीत नसीब कर पाने वाली बसपा को वैसे में भी 12 फीसदी से अधिक वोट मिले थे। जिससे ये साफ हो गया कि दलित वोट पर अभी भी बसपा की पकड़ मजबूत है। हालांकि, अब उनके दलित वोट बैंक पर कई दावेदार पनपने लगे हैं।

पिछले लगभग 6 सालों से सत्ता पर काबिज भारतीय जनता पार्टी भी अपने किए गए कामों की दम पर दलित वोट पर अपना दावा ठोकती है। कुछ सीटों पर उसका ये दावा उचित भी नजर आता है। वहीं मायावती के दलित वोट बैंक पर सबसे बड़ी सेंधमारी भीम आर्मी प्रमुख चंद्रशेखर आजाद करने की फिराक में हैं। चूंकि खुद दलित समाज से आने के कारण चंद्रशेखर को मायावती से भी अधिक दलितों का हितैशी और उनका भला चाहने वाला बताते हैं। अभी चंद्रशेखर के इन दावों पर जनता उतना यकीन नहीं कर पा रही है। लेकिन इसमें कोई चौंकाने वाली बात नहीं होगी अगर आने वाले समय में चंद्रशेखर एक बड़े दलित नेता के रूप में उभर कर सामने आएं। हालांकि, इन तमाम प्रयासों के बीच बसपा प्रमुख मायावती अपने पुराने वोट समीकरण को साधने की कोशिश करती दिख रही हैं। उत्तर प्रदेश की राजनीति में बहुजन समाज पार्टी दलित और मुस्लिम गठजोड़ के जरिए सत्ता की सीढ़ी चढ़ती रही है। अब एक बार फिर मायावती उसी समीकरण के सहारे 2024 के लोकसभा चुनाव में पार्टी की नैया पार लगाने की कोशिश करती दिख रही हैं। हालांकि, इससे पहले नगर निकाय चुनाव 2022 बसपा के लिए परीक्षा साबित होगी। इसमें सफलता के जरिए समाजवादी पार्टी और भाजपा को संदेश देने का प्रयास मायावती का है।

गठजोड़ के सहारे फिर से सत्ता के शिखर की चाह

यूपी में संपन्न हुए उपचुपनाव परिणामों को ध्यान में रखते हुए मायावती फिर से अपनी पुरानी दलित-मुस्लिम रणनीति के साथ आगे बढ़ने के उद्देश्य से मैदान में उतरी हैं। खुद को उपचुनावों से लगभग दूर ही रखने वाली बसपा की निगाहें सीधे लोकसभा चुनावों पर हैं। ऐसे में यूपी के नगर निकाय चुनाव उसके आगे का भविष्य तय करेंगे। बसपा प्रमुख मायावती की नजर मुस्लिम वोट बैंक पर है। यूपी चुनाव 2022 के बाद से ही वह इस वोट बैंक को साधने की कोशिश में लगी हुई हैं। आजम खान के जेल में रहने का मुद्दा हो या मुस्लिमों पर कार्रवाई, मायावती ने हर मुद्दे पर खुलकर बात की। बसपा प्रमुख मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने मनाने में जुट गई हैं। मायावती करीब तीन दशक से 20 से 25 फीसदी वोट बैंक की राजनीति करती रही हैं। दलित में जाटव वोट बैंक उनका आधार है, जबकि अन्य दलितों के बीच भी वे स्वीकार्य रही हैं। ओबीसी वोट बैंक का एक बड़ा तबका 2014 से पहले मायावती के साथ जुड़ा हुआ था। लेकिन, यूपी में पीएम नरेंद्र मोदी के उभार के बाद से ओबीसी वोट बैंक बसपा से छिटका। जाटव के अलावा अन्य दलित वोट बैंक में यूपी चुनाव 2022 के दौरान सेंधमारी हुई। सत्ता से बाहर रही बसपा वोट बैंक को साधने की कोशिश में लगी तो रही है, लेकिन वहां तक पहुंचाने में कामयाब नहीं हुई। ऐसे में मायावती अब एक अलग प्रकार से प्रयास करती दिख रही हैं। आजम खान जैसे मुस्लिमों के जाने-पहचाने वाले चेहरों का मसला उठाकर उनके बीच पहुंचने की कोशिश में हैं। उनकी सहानुभूति पाकर मायावती समाजवादी पार्टी के मुस्लिम + यादव (माय) समीकरण तो बिगाड़ने में जुटी हैं।

अबकी बार अच्छे रिजल्ट की आस

मायावती के निशाने पर नगर निकाय चुनाव है। निकाय चुनाव के जरिए वह बसपा को रूट लेवल पॉलिटिक्स में स्थापित करने की कोशिश में जुटी हुई हैं। कहीं न कहीं ये निकाय चुनाव ही बसपा का आगे का भविष्य भी तय करेंगे। इसमें उन्हें दलित वोट बैंक के साथ-साथ मुस्लिम वोट बैंक की भी जरूरत होगी। नगर निकाय चुनाव 2017 में 16 नगर निगमों में से दो नगर निगम पर बसपा का कब्जा हुआ था। वहीं, 14 पर भाजपा जीती थी। मायावती की कोशिश इस आंकड़े को बढ़ाने की है। अगर ऐसा होता है तो वह अपने वोट बैंक को बड़ा संदेश देने में कामयाब होंगी। वे दलितों के साथ मुस्लिम वोट बैंक को जोड़कर भाजपा से नाराज होने वाले वोट बैंक को एक बड़ा संदेश दे सकेंगी कि बसपा एक ताकत के रूप में खड़ी है।

सुक्खू का वाचमैन से सीएम तक का सफर

» हिमाचल के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में ली है शपथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। भाजपा को बेदखल कर कांग्रेस में हिमाचल प्रदेश में अपनी सत्ता कबिज की। जिसके बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर पार्टी में काफी उठापटक भी देखने को मिली। हालांकि, पार्टी ने जल्द ही इसका तोड़ निकाल लिया और चार बार से विधायक व पार्टी के वरिष्ठ नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू को राज्य का नया मुख्यमंत्री घोषित किया। सुक्खू का पार्टी में काफी रसूख है और वो इस चुनाव में शुरू से एक प्रमुख चेहरा रहे थे। हालांकि, 15 साल तक सीएम रहे वीरभद्र सिंह की पत्नी प्रतिभा सिंह भी चुनाव परिणाम सामने आने के बाद मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी दावेदारी पेश करने लगीं और खुद को उचित चेहरा बताने लगीं। उनके समर्थकों ने भी काफी हंगामा किया। लेकिन अंत में पार्टी अलाकमान का निर्णय सर्वमान्य हुआ और सुक्खू के नाम पर फिलहाल प्रतिभा सिंह भी मान गईं। रविवार को हिमाचल प्रदेश के 15वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने वाले सुखविंदर सिंह सुक्खू के लिए मुख्यमंत्री बनने तक का सफर काफी मेहनत और संघर्ष भरा रहा है।

आज जरूर वो राज्य के मुखिया बन चुके हैं, मगर सुक्खू ने अपने शुरूआती दिनों में काफी दिक्कतों का सामना किया है। 26 मार्च 1964 को नादौन में जन्मे सुक्खू का बचपन बहुत की कठिनाइयों में गुजरा। कभी अपने जिस बेटे के भविष्य की मां को हमेशा चिंता सताती रहती थी, जब वो बेटा मुख्यमंत्री पद की शपथ ले रहा था, तो मां के आंसू नहीं रुके और वो भावुक हो गईं। सुक्खू के पिता रसील सिंह शिमला में हिमाचल रोडवेज ट्रांसपोर्ट में ड्राइवर थे। सुक्खू को खुद अखबार बेचने से लेकर दूध बेचने तक का काम करना पड़ा। यहां तक कि उन्हें वॉचमैन की नौकरी तक करनी पड़ी।

एनएसयूआई से शुरू हुआ राजनीतिक करियर

सुक्खू के राजनीतिक करियर की शुरूआत एक छात्र नेता के तौरा पर हुई। वो कांग्रेस से संबद्ध नेशनल स्टूडेन्ट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) की राज्य इकाई के महासचिव थे। उन्होंने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से एमए और एलएलबी की थी। जमीनी स्तर पर काम करते हुए वह दो बार शिमला नगर निगम के पार्षद चुने गए थे। उन्होंने 2003 में नादौन से पहली बार विधानसभा चुनाव जीता और 2007 में सीट बरकरार रखी, लेकिन 2012 में वह चुनाव हार गए थे। इसके बाद 2017 और 2022 में उन्होंने फिर से जीत दर्ज की। सुक्खू के चार भाई-बहन हैं। वह खुद दूसरे नंबर के हैं। उनके सबसे बड़े भाई राजीव सेना से रिटायर हैं। उनकी दो छोटी बहने हैं जिनकी शादी हो चुकी है। सुक्खू की शादी 11 जून 1998 को कमलेश ठाकुर नाम की युवती से हुई थी। सुक्खू की दो बेटियां हैं जो दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से पढ़ाई कर रही हैं।

सुक्खू और वीरभद्र के बीच रही सियासी अदावत

सुक्खू और वीरभद्र सिंह के परिवार के बीच हमेशा से ही छत्तीस का आंकड़ा रहा और दोनों नेता एक-दूसरे के विरोधी ही माने जाते रहे। यह लड़ाई तब शुरू हुई थी जब 2013 में कांग्रेस ने सुखविंदर सिंह सुक्खू को प्रदेश अध्यक्ष बनाया था। सुखविंदर सिंह सुक्खू जब प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए थे, तो उन्होंने वीरभद्र सिंह के गुट के कार्यकर्ताओं और नेताओं को अहम जिम्मेदारियों से हटा दिया था। इस बात से वीरभद्र सिंह काफी खफा हुए थे। 2017 विधानसभा चुनाव से पहले हालात इतने बिगड़ गए थे कि वीरभद्र सिंह ने घोषणा कर दी कि वह इस साल चुनाव नहीं लड़ेंगे। हालांकि, सुक्खू और राजा साहब की इस लड़ाई में वीरभद्र सिंह की जीत हुई थी। पार्टी ने उन्हीं के चेहरे पर चुनाव लड़ा था। हालांकि, जीत हासिल नहीं हो पाई थी।

खर्च चलाने के लिए बने हॉकर और बेचा दूध

सुक्खू के पिता की मामूली ड्राइवर की नौकरी से परिवार के खर्च पूरे नहीं हो पाते थे। सैलरी कम थी, सुक्खू कॉलेज में पढ़ाई कर रहे थे। पिता के पास फीस देने को रुपये नहीं थे तो सुक्खू ने अपना खर्च निकालने के लिए छोटा शिमला में अखबार बेचना शुरू किया। सुक्खू सुबह जल्दी उठकर अखबार डालने लगे। उसके बाद सुबह का बाकी समय दूध बेचने में लगाने लगे। दिन में कॉलेज की पढ़ाई करते। इसी तरह सुक्खू ने अपना ग्रैजुएशन पूरा किया। वह अपनी पढ़ाई का खर्च उठाने और परिवार का हाथ बंटाने के लिए तड़के उठते थे और देर रात तक काम करते थे। सुक्खू को उनके परिवार के लोग श्यामा कहकर पुकारते थे। ग्रैजुएशन के बाद सुक्खू की बिजली विभाग में वॉचमैन की नौकरी लग गई। वह वॉचमैन की नौकरी करने लगे। यहां नौकरी के बाद उनके काम को देखते हुए इसी विभाग में उन्हें हेल्पर की पोस्ट पर प्रमोट कर दिया गया। सुक्खू आगे बढ़ना चाहते थे इसलिए कड़ी मेहनत करते रहे। सुक्खू पूर्व केंद्रीय दूरसंचार मंत्री पंडित सुखराम के करीबी भी रहे हैं। नब्बे के दशक में जब हिमाचल प्रदेश में पंडित सुखराम संचार की क्रांति लेकर आए तो सुक्खू ने उनकी मदद से एक पीसीओ खोला। काफी समय तक वह पीसीओ भी चलाते रहे। सुखराम के करीबी होने का उन्हें फायदा मिला और उनकी मदद से ही उनका राजनीतिक करियर शुरू हुआ।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

सरकार दे तवांग पर कड़ा संदेश

चीन ने एक बार फिर भारत में घुसने की हिम्मत जुटायी है इस बार भी हमारे बहादुर सैनिकों ने चीन को पीछे जाने पर मजबूर कर दिया लोकसभा और राज्यसभा में इस पर जमकर हंगामा हुआ विपक्ष सत्ता पर हमला करता रहा और सत्ता विपक्ष पर ये कोई नई बात नहीं है। हर बार सरकार और विपक्ष इस मामले पर बहुत ज़्यादा गंभीर नजर नहीं आते हैं और न ही यह संदेश दे पाने में सफल हो पाते हैं कि आखिर इस तरह के वाकये लगातार देश की सीमाओं में क्यों होते जा रहे हैं। क्या हमारे नेतृत्व में कोई ऐसी कमी रह जा रही है जिससे यह देश हमारी संप्रभुता पर हाथ डालने की हिम्मत कर रहे हैं।

ये कोई पहला मामला नहीं है चीन की सेना ने कुछ साल पहले ही गलवान घाटी में भी इसी तरह की नापाक कोशिश की थी हमारे कई बहादुर सैनिकों की इसमें मौत हो गई थी और कहा गया कि चीनी सेना ने हमारा काफी हिस्सा हड़प लिया और हम कुछ नहीं कर सके। जाहिर है इस तरह की घटना हमारा मनोबल कम करती है इससे भी दुखद बात ये कि सरकार के द्वारा इस मामले में देश के सामने सही तथ्य नहीं रखे गए पहले कहा गया कि हमारी सीमा में कोई नहीं घुसा फिर कहा गया कि जो चीनी सैनिक हमारी सीमा में घुस आए थे उनको वापस चीन की सीमा में भेज दिया गया। सेना के मामले में इस तरह के बयान और भ्रम पैदा करते हैं । देश के सामने सही तस्वीर रखी जानी चाहिये।

शुक्रवार को अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले में घटी घटना ने एक बार फिर देश में हलचल पैदा की। लोग सवाल कर रहे हैं कि जी-20 के सम्मेलन में हमारे प्रधानमंत्री जी को चीन के राष्ट्रपति से कड़ा विरोध जताना चाहिए था जबकि ये तस्वीरें सामने आयी उसमें देखा गया कि हमारे प्रधानमंत्री खुद चीन के राष्ट्रपति के पास उठकर गए। ऐसी कोई मजबूरी नहीं है जो हमारा राष्ट्र किसी के सामने इस तरह झुककर बात करे। हम घास की रोटी खाकर संघर्ष करने वाले इतिहास को समेटे हुए हैं। ये समय सरकार को अपनी कूटनीतिक कुशलता दिखाने के साथ ही सेना का मनोबल ऊंचा रखने का भी है। क्योंकि जिस तरह पिछले दो सालों में देश की सीमा पर चीन की घुसपैठ करने की घटनाएं सामने आई हैं, उनको भविष्य के लिए कड़ी सतर्कता के संदेश के तौर पर भी देखना होगा। सरकार की ओर से चीन को ये साफ संदेश दिया जाना भी जरूरी है कि किसी ने हमारे देश की तरफ आंख उठाकर देखा तो उसके बहुत गंभीर परिणाम होंगे। ताकि कोई पड़ोसी देश इस प्रकार के दुस्साहस की पुनरावृत्ति करने ही हिमाकत नहीं कर सकें।

“ये कोई पहला मामला नहीं है चीन की सेना ने कुछ साल पहले ही गलवान घाटी में भी इसी तरह की नापाक कोशिश की थी हमारे कई बहादुर सैनिकों की इसमें मौत हो गई थी और कहा गया कि चीनी सेना ने हमारा काफी हिस्सा हड़प लिया और हम कुछ नहीं कर सके। जाहिर है इस तरह की घटना हमारा मनोबल कम करती है इससे भी दुखद बात ये कि सरकार के द्वारा इस मामले में देश के सामने सही तथ्य नहीं रखे गए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

प्रदूषण-कचरे से निजात दिलाना चुनौती

योगेंद्र योगी

चुनाव बाद हुए एक्जिट पोल में जैसी की संभावना व्यक्त की जा रही थी, उसके मुताबिक दिल्ली नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी आसानी से बहुमत का आंकड़ा पाने में सफल रही। आप ने 134 वार्डों में जीत दर्ज कर बोर्ड पर अपना परचम फहरा दिया। भाजपा की भ्रष्टाचार सहित दूसरे मुद्दों पर आप को घेरे में लेने की कोशिश विफल रही। भाजपा 104 वार्डों में चुनाव जीतने के साथ दूसरे स्थान पर रही। कांग्रेस इस चुनाव में भी फिसड्डी साबित हुई। कांग्रेस दहाई का आंकड़ा भी हासिल नहीं कर सकी और 9 वार्डों में जीत कर तीसरे स्थान पर सिमट गई।

कॉर्पोरेशन के चुनाव को लोकसभा चुनाव का लिटमस टेस्ट भी कह सकते हैं। इस चुनाव ने साबित कर दिया है कि अब वो दिन लद गए जब सिर्फ नारों और पुरातन विचारधारा के दम पर मतदाताओं को बरगलाया जा सकता है। एमसीडी के चुनाव ने जन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरने पर भाजपा का 15 साल पुराना मजबूत राजनीतिक किला ढहा दिया। इसका व्यापक संदेश है कि मतदाताओं की परवाह नहीं करने वाले राजनीतिक दलों की खैर नहीं है। मतदाताओं को फिजूल के मुद्दों की चर्चा कर गुमराह नहीं किया जा सकता। महंगाई और बेरोजगारी जैसी राष्ट्रीय समस्याओं को छोड़ दें तो, स्थानीय स्तर पर हर रोज होने वाली समस्याओं के समाधान का ठोस आश्वासन और कार्रवाई के बगैर किसी भी राजनीतिक दल के लिए चुनावी मैदान में टिकना आसान नहीं है। इतना ही नहीं विशेषकर शहरी मतदाताओं और आम नागरिकों को सुविधाओं के साथ गुणवत्ता की भी दरकार है। सिर्फ बुनियादी सुविधाएं मुहैया करा कर ही मतदाताओं का भरोसा नहीं जीता जा सकता है, बल्कि सुविधाओं के साथ गुणवत्ता भी होना जरूरी है। मुख्यमंत्री केजरीवाल न सिर्फ बुनियादी सुविधाओं का विस्तार करने में बल्कि उन्हें गुणवत्तायुक्त बनाने में भी कामयाब रहे हैं। मोहल्ला क्लिनिक और स्कूलों में अंग्रेजी के माध्यम से स्तरीय शिक्षा इसका उदाहरण हैं। इन चुनावों से यह भी साफ हो गया कि भ्रष्टाचार मतदाताओं के लिए तभी बड़ा मुद्दा बन सकता है, जब बुनियादी सुविधाओं के विस्तार का अभाव हो।

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और स्वास्थ्य मंत्री सत्येन्द्र जैन के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों में की गई कार्रवाई और भाजपा द्वारा उन्हें प्रचारित किए जाना चुनावी दृष्टि से फायदेमंद नहीं साबित नहीं हुआ।

दिल्ली में नगर निगम में भाजपा का शासन होने के बावजूद भाजपा निगम के कामकाज को उपलब्धि के तौर पर भुनाने में नाकामयाब रही। इसके विपरीत मुख्यमंत्री केजरीवाल के पुराने कामकाज के मद्देनजर मतदाताओं ने उनके वादों पर भरोसा जताया। भाजपा ने बोर्ड पर लगातार 15 साल तक राज किया। इसके बावजूद दिल्ली में भारी प्रदूषण, यमुना नदी का प्रदूषण, यातायात की सुगम व्यवस्था जैसी समस्याओं का ठोस निराकरण नहीं कर सकी। केंद्र में और दिल्ली नगर निगम में भाजपा का बोर्ड प्रदूषण की समस्या से निपटने में विफल रहा। हालांकि भाजपा ने इसका ठीकरा आप पर फोड़ने की कोशिश की, किन्तु मतदाताओं ने इसे नकार दिया। चुनाव जीत कर निगम पर काबिज होने के बाद आम आदमी पार्टी के लिए दिल्ली में प्रदूषण और कचरे की समस्या से निपटना आसान नहीं है। दिल्ली गैस चैम्बर में तब्दील हो चुकी है। गाजीपुर लैंडफिल स्टेशन पर कचरे के पहाड़ की ऊंचाई कुतुब मीनार से ऊंची हो चुकी है। दिल्ली वायु प्रदूषण के साथ स्थायी कचरे की दोहरी समस्या से जूझ रही है। देश की राजधानी विश्व के सर्वाधिक प्रदूषित शहरों में शुमार है। इस समस्या के ठोस और स्थायी दीर्घकालिन समाधान की जरूरत है। दिल्ली का वायुमंडल विषैला हो चुका है। श्वांस संबंधी और प्रदूषण से होने वाली दूसरी बीमारियों से दिल्लीवासी त्रस्त हैं। दिल्ली से बहने वाली यमुना नदी भी विश्व की चुनिंदा प्रदूषित नदियों की सूची में मौजूद है। इसके भी स्थायी हल की जरूरत है।

प्रदूषण हो या दूसरी समस्याएं, इसके लिए वित्तीय जरूरतों को पूरा करना आम आदमी पार्टी के राज वाले दिल्ली नगर निगम के लिए अग्नि परीक्षा से कम नहीं है। राजधानी के तीनों नगर निगम (उत्तरी, पूर्वी और दक्षिणी) का विलय होने के बाद सबसे बड़ी चुनौती खराब आर्थिक स्थिति से उबारना है। तीनों निगमों में राजस्व के मुकाबले खर्च अधिक हैं। सालाना नौ हजार करोड़ रुपये तो निगमकर्मियों के वेतन पर ही खर्च हो जाते हैं, जबकि निगम का पूरा राजस्व महज नौ हजार करोड़ है।

इतना ही नहीं, ठेकेदारों की भी 1,600 करोड़ की देनदारी है। डेढ़ लाख कर्मचारियों को समय पर वेतन देना और विकास कार्यों को फिर से शुरू करना अपने आप में बहुत बड़ी चुनौती होगी। केंद्र की भाजपा सरकार से मुख्यमंत्री केजरीवाल का पहले से ही छत्तीस का आंकड़ा है। ऐसे में आप के दिल्ली नगर निगम को अपने बूते ही वित्तीय मुश्किलों का हल ढूंढ़ना होगा।

पठन-पाठन को बढ़ावा देना जरूरी

आशुतोष चतुर्वेदी

यह सच है कि लोगों की पढ़ने-लिखने में दिलचस्पी कम होती जा रही है। पुरानी कहावत है कि किताबें ही आदमी की सच्ची दोस्त होती हैं, लेकिन अब दोस्ती के रिश्ते में कमी आयी है। अब लगभग सभी बड़े शहरों में साहित्य उत्सव आयोजित किये जाते हैं, ताकि लोगों की साहित्य और किताबों के प्रति दिलचस्पी बनायी रखी जा सके, लेकिन ये प्रयास भी बहुत कारगर साबित नहीं हो पा रहे हैं।

हम सभी चाहते हैं कि साहित्य उत्सव के माध्यम से हिंदी पट्टी के क्षेत्र में पठन-पाठन को बढ़ावा मिले। साहित्य में एक जीवन दर्शन होता है और यह सृजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। साहित्य की समाज में महत्वपूर्ण भूमिका है। आजादी की लड़ाई हो या जन आंदोलन, सब में साहित्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। साहित्य की विभिन्न विधाओं ने समाज का मार्गदर्शन किया है, समाज के यथार्थ को प्रस्तुत किया है। मौजूदा दौर में साहित्य को कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ रहा है। पहला भाषा के मोर्चे पर, दूसरा संवेदना और विचार के मोर्चे पर। टेक्नोलॉजी के विस्तार के बाद साहित्य के अस्तित्व को लेकर आशंकाएं व्यक्त की गयी थीं, पर हम देखते हैं कि साहित्य न केवल जीवित है, बल्कि फल-फूल रहा है। उसने तकनीक के साथ एक रिश्ता कायम कर लिया है। अब समय आ गया है कि हम आत्मचिंतन करें कि इस रिश्ते को कैसे मजबूत करें। मशहूर गीतकार, पटकथा लेखक जावेद अख्तर ने इस आयोजन में महत्वपूर्ण बात कही कि युवा वर्ग में प्रतिभा है, ऊर्जा है, जरूरत है बस सही मार्गदर्शन की। उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि अच्छा लिखने के लिए सबसे पहले खूब पढ़ें। मेरा मानना है कि नयी तकनीक ने दोतरफा असर डाला है। इसने साहित्य का भला भी किया है और नुकसान भी पहुंचाया है।

लोग वाट्सऐप, फेसबुक में ही उलझे रहते हैं, उनके पास पढ़ने का समय ही नहीं है। लोग अखबार तक नहीं पढ़ते, केवल शीर्षक देख कर आगे बढ़ जाते हैं, लेकिन दूसरी ओर इंटरनेट ने साहित्य को सर्वसुलभ कराने में मदद की है। किंडल, ई-पत्रिकाओं और ब्लॉग ने इसके प्रचार-प्रसार को बढ़ाया है। तकनीकी कंपनी गूगल ने तो किताबों को लेकर एक बड़ी योजना शुरू की है और इसके तहत विभिन्न देशों की लगभग चार सौ भाषाओं में भारी संख्या में किताबें डिजिटाइज की गयी हैं। उसका मानना है कि भविष्य में अधिकतर लोग किताबें ऑनलाइन पढ़ना पसंद करेंगे। वे सिर्फ ई-बुक्स ही खरीदेंगे, उन्हें वर्चुअल रैक या यूं कहें कि अपने निजी लाइब्रेरी में रखेंगे और वक्त मिलने पर पढ़ेंगे। ई-कॉमर्स वेबसाइटों ने किताब उपलब्ध कराने में भारी सहायता की है, पर टेक्नोलॉजी ने लिखित शब्द और पाठक के बीच अंतराल को बढ़ाया भी है। इसका सबसे बड़ा नुकसान विचारधारा के मोर्चे पर उठाना पड़ रहा है। युवा किसी भी विचारधारा के साहित्य को नहीं पढ़ रहे हैं। वे व्हाट्सएप यूनिवर्सिटी से ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं और नारों में ही उलझ कर रह जा रहे हैं। उन्हें विचारों की गहराई का ज्ञान नहीं हो पाता है। इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। हम सभी जानते है कि एक अच्छा पुस्तकालय कितना उपयोगी होता है। यहीं पर ऐसी दुर्लभ किताबें मिलती हैं, जो आम तौर पर उपलब्ध नहीं होती हैं। अपने आसपास देख लीजिए, अच्छे पुस्तकालय बंद हो रहे हैं। जो चल रहे हैं, उनकी स्थिति दयनीय है।

लोग निजी तौर पर भी किताबें रखते थे और उनमें एक गर्व का भाव होता था कि उनके पास किताबों का बड़ा संग्रह है। हम ऐसी संस्कृति नहीं विकसित कर पाये हैं। पहले हिंदी पट्टी के सभी छोटे-बड़े शहरों में साहित्यिक पत्रिकाएं और किताबें आसानी से उपलब्ध हो जाती थीं। अब हिंदी के जाने-माने लेखकों की किताबें भी आसानी से नहीं मिलतीं। नयी मॉल संस्कृति में हम किताबों के लिए कोई स्थान नहीं निकाल पाये हैं। आप अपने आसपास के मॉल में देखें, किताबों की एक भी दुकान नजर नहीं आयेगी। अच्छी लाइब्रेरी की बात तो छोड़ ही दीजिए। पुस्तकालयों का हाल खस्ता है।

ऐसा नहीं है कि कुछ एक बुद्धिजीवी ही पठन-पाठन को लेकर चिंतित हों। इस दिशा में समाज के विभिन्न तबके के लोगों ने अनूठी पहल की हैं। झारखंड में रहने वाले संजय कच्छप 40 लाइब्रेरी चला रहे हैं। इनमें कुछ डिजिटल लाइब्रेरी भी हैं। वे झारखंड के लाइब्रेरी मैन के रूप में जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में भी उनके कार्य का उल्लेख किया था। पिछले दिनों सोशल मीडिया के माध्यम से खबर मिली कि तमिलनाडु के एक सैलून में टीवी, पोस्टर और गानों के शोरगुल की बजाय एक छोटी-सी लाइब्रेरी खोल रखी है। अगर कोई ग्राहक इस सैलून में किताबें पढ़ता है, तो उसे बाल कटवाने पर छूट मिलती है।

महाराष्ट्र के सतारा जिले की एक तहसील के 67 वर्षीय जीवन इंगले ने आसपास के क्षेत्रों में लोगों के बीच किताब पढ़ने को प्रेरित करने का अभियान चला रखा है। इसके लिए वे अपनी साइकिल पर एक पुस्तकालय बना कर लोगों को किताबें बांटते हैं। महात्मा गांधी के अनुयायी इंगले ने 12 साल पहले यह पहल शुरू की थी और अब उनका चलता-फिरता पुस्तकालय क्षेत्र में काफी लोकप्रिय है।

डायबिटीज जड़ वाली सब्जियों के सेवन से होता है कंट्रोल

डायबिटीज के जोखिम को कम करने के लिए सभी लोगों को स्वस्थ और पौष्टिक आहार के सेवन की सलाह दी जाती है। विशेषतौर पर उन चीजों का अधिक सेवन करना, जो ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल करने में सहायक हों। शोधकर्ताओं ने पाया कि डायबिटीज को कंट्रोल करने में जड़ वाली कुछ सब्जियों का सेवन करना आपको विशेष लाभ प्रदान कर सकता है। खासतौर पर सर्दियों के मौसम में उपलब्ध ऐसी कुछ सब्जियों के विशेष स्वास्थ्य लाभ देखे गए हैं। सभी उम्र के लोगों को आहार में इन सब्जियों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। आहार विशेषज्ञ कहते हैं, सर्दियों का मौसम मौसमी फलों-सब्जियों की विविधताओं से भरपूर होता है, इसमें से कुछ के सेवन की आदत बनाना शरीर के लिए कई प्रकार से लाभकारी हो सकता है। इस मौसम में डायबिटीज को कंट्रोल करने वाली भी कई चीजें उपलब्ध होती हैं, जिनको आहार में शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

गाजर खाने से मिलता है फायदा

अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि मधुमेह रोगियों के लिए गाजर के सेवन की आदत बनाना लाभकारी हो सकता है। इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और यह कई प्रकार के ऐसे विटामिन्स से भरपूर होता है जिससे शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है। गाजर में विटामिन-ए की भी मात्रा होती है जो आंखों के लिए फायदेमंद मानी जाती है। डायबिटीज रोगियों के लिए गाजर का सेवन करना विशेष लाभकारी हो सकता है।

मूली नहीं बढ़ने देती है शुगर लेवल

मूली, ग्लूकोसाइनोलेट और आइसोथियोसाइनेट जैसे रासायनिक यौगिकों से भरपूर माना जाता है जो रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ने नहीं देती है। मूली खाने से आपके शरीर में प्राकृतिक रूप से एडिपोनेक्टिन का उत्पादन भी बढ़ता है, इस हार्मोन का उच्च स्तर इंसुलिन प्रतिरोध से बचाने में मदद कर सकता है। आहार में मूली को शामिल करना बेहतर विकल्प हो सकता है।

शलजम ब्लड शुगर में लाभदायक

शोधकर्ताओं ने अध्ययन में पाया कि शलजम का सेवन करना मधुमेह को कंट्रोल करने में आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकता है। पशुओं और टेस्ट ट्यूब अध्ययनों में इस सब्जी के एंटीडायबिटिक प्रभावों के बारे में पता चलता है। अध्ययन के अनुसार शलजम के अर्क में पाए जाने वाले तत्व, मेटाबॉलिज्म की दर को ठीक रखने में सहायक होते हैं, जिससे ब्लड शुगर के स्तर को कंट्रोल किया जा सकता है।

चुकंदर खाने से नहीं होता मधुमेह

चुकंदर को भी डायबिटीज रोगियों के लिए लाभकारी पाया गया है। ये फाइटोकेमिकल्स से भरपूर होते हैं जो ग्लूकोज और इंसुलिन के स्तर को कंट्रोल करने में आपके लिए माने जाते हैं। साल 2014 के एक अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि चुकंदर का सेवन करना भोजन के बाद ग्लूकोज के स्तर को प्रभावी तौर पर कंट्रोल करने में आपके लिए सहायक हो सकता है। हालांकि इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है इसलिए डॉक्टर की सलाह पर ही डायबिटीज में चुकंदर का सेवन किया जाना चाहिए।

हंसना मना है

टीचर: बेटा, बताओ जान कैसे निकलती है? पप्पू: खिड़की से। टीचर: क्या मतलब? पप्पू: दीदी कल ही एक लड़के से कह रही थी- जान, खिड़की से निकल जाओ।

रमेश ने शौक-शौक में व्रत रख लिया। रमेश (पत्नी से): देखो सूरज डूब चुका है, अब खाना खाते है। पत्नी (रमेश से): नहीं जी। रमेश: देखो डूबा या नहीं पत्नी: नहीं जी रमेश: लगता है ये मुझे साथ लेकर ही डूबेगा।

एक भिखारी रोज-रोज मांग कर खाते-खाते तंग आ गया था। एक दिन उसने भगवान से प्रार्थना की - भगवान, मुझे खाने को ऐसा कुछ दे जो खाने पर भी खत्म न हो! भगवान बोले- ये ले बेटा च्यूइंग गम!

अमिताभ बच्चन और प्राण साहब बस स्टॉप पर खड़े थे। बस आई, प्राण साहब बस में चढ़ गए, लेकिन अमिताभ नहीं चढ़े। क्योंकि बस पर लिखा था, रघुकुल रीत सदा चलि आई, 'प्राण' जाई पर 'बचन' न जाई।

टीचर (छात्र से): बताओ हाथी और घोड़े में क्या फर्क होता है? छात्र: सर घोड़े की एक तरफ दुम होती है और हाथी की दोनों तरफ।

कहानी | भूखी चिड़िया

सालों पहले एक घंटाघर में टींकू चिड़िया अपने माता-पिता और 5 भाइयों के साथ रहती थी। टींकू चिड़िया छोटी सी थी। उसके पंख मुलायम थे। उसकी मां ने उसे घंटाघर की ताल पर चहकना सिखाया था। घंटाघर के पास ही एक घर था, जिसमें पक्षियों से प्यार करने वाली एक महिला रहती थी। वह टींकू चिड़िया और उसके परिवार के लिए रोज रोटी का टुकड़ा डालती थी। एक दिन वह बीमार पड़ गई और उसकी मौत हो गई। टींकू चिड़िया और उसका पूरा परिवार उस औरत के खाने पर निर्भर था। अब उनके पास खाने के लिए कुछ नहीं था और न ही वो अपने लिए खान जुटाने के लिए कुछ करते हैं। एक दिन भूख से बेहाल होने पर टींकू चिड़िया के पिता ने कीड़ों का शिकार करने का फैसला किया। काफी मेहनत करने के बाद उन्हें 3 कीड़े मिले, जो परिवार के लिए काफी नहीं थे। वे 8 लोग थे, इसलिए उन्होंने टींकू और उसके 2 छोटे भाइयों को खिलाने के लिए कीड़े साइड में रख दिए। इधर, खाने की तलाश में भटक रही टींकू, उसके भाई और उसकी मां ने एक घर की खिड़की में चोंच मारी, लेकिन कुछ नहीं मिला। उल्टा घर के मालिक ने उनपर राख फेंक दी, जिससे तीनों भूरे रंग के हो गए। उधर, काफी तलाश करने के बाद टींकू के पिता को एक ऐसी जगह मिली, जहां काफी संख्या में कीड़े थे। वह जब खुशी-खुशी घर पहुंचा, तो वहां कोई नहीं मिला। तभी टींकू चिड़िया, उसका भाई और मां वापस लौटे, तो पिता उन्हें पहचान नहीं पाए और गुस्से में उन्होंने सबको भगा दिया। टींकू ने पिता को समझाने की काफी कोशिश की। उसने बार-बार बताया कि किसी ने उनके ऊपर रंग फेंका है, लेकिन टींकू के हाथ असफलता ही लगी। उसकी मां और भाई भी निराश हो गए, लेकिन टींकू ने हार नहीं मानी। वह उन्हें लेकर तालाब के पास गई और नहलाकर सबकी राख हटा दी। तीनों अब अपने पुराने रूप में आ गए। अब टींकू के पिता ने भी उन्हें पहचान लिया और माफी मांगी। अब सब मिलकर खुशी-खुशी एक साथ रहने लगे। उनके पास खाने की भी कमी नहीं थी।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज का दिन आपकी वित्तीय स्थिति एवं करियर में तरक्की का दिन है ,लेकिन इन सबके लालच में अपने परिवार की उपेक्षा ना करें दरअसल आज आप अपने भीतर आध्यात्मिकता का भी अनुभव करेंगे।

वृषभ

आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं। कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी, आज उतनी नहीं दिखेंगी।

मिथुन

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियां हो सकती हैं ।

कर्क

आपका झुकाव आज कुछ हद तक आध्यात्मिकता की और रहेगा। आप किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं या किसी तीर्थ की यात्रा कर सकते हैं।

सिंह

कार्यस्थल पर कोई आपके खिलाफ चुपचाप काम कर रहा है लेकिन आज आपको इस बात का पक्का सबूत मिलने वाला है कि वह कौन है। लेकिन अभी इस आदमी से ना उलझें।

कन्या

आप आज कल्पनात्मक रहेंगे। कार्यस्थल की ओर से किसी अन्य स्थान की यात्रा का मौका मिल सकता है। आपकी रोमांटिक प्रवृति उजागर होगी।

तुला

आज आपका विशेष ध्यान दोस्तों पर रहेगा । किसी पुराने दोस्त से या तो आप मिलेंगे या उनमे से कोई आपसे मिलने आज अचानक चला आएगा ।

वृश्चिक

आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे ,सब कुछ अच्छा ही होगा । अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है।

धनु

आपकी सोच आज अद्भुत रूप से साफ़ और स्पष्ट है और आज आप अपने कार्यों के आने वाले समय में लाभ का बिलकुल ठीक अंदाजा लगा पायेंगे।

मकर

आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा। वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं। इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है।

कुम्भ

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं। लेकिन इसे औरों के साथ ना बांटें ,लोग आपकी सलाह का सम्मान नही करेंगे। रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है।

मीन

आज कोई अप्रत्याशित और काफी दबाव वाला काम मिलेगा लेकिन आप चिंता ना करें, आप आसानी से ओइसे पूरा कर लेंगे और आपको सबकी प्रशंसा भी मिलेगी ।

बॉलीवुड | भक्ति

माता वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे शाहरुख

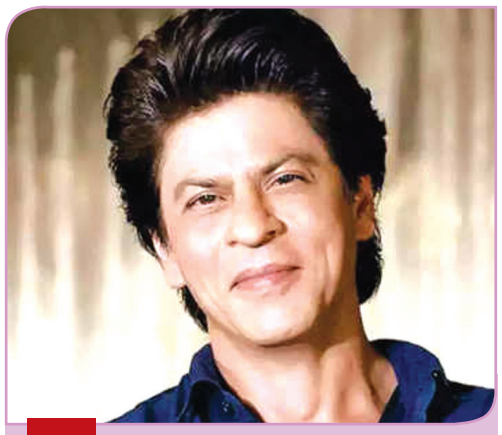

शाहरुख खान देर रात मां वैष्णो देवी के दरबार में हाजिरी लगाने पहुंचे। उनकी फिल्म पठान अगले माह रिलीज हो रही है। दूसरी ओर इंटरनेट मीडिया पर उनकी फिल्म के बायकाट के लिए अभियान चल रहा है। माना जा रहा है इस विरोध को शांत करने के लिए ही वह मां के दरबार में पहुंचे हैं। इससे पूर्व वह दो दिसंबर को मक्का भी गए थे। बता दें कि इंटरनेट मीडिया पर चल रहे अभियान के कारण लगातार हिंदी फिल्मों की बाक्स आफिस पर पिटाई हो रही है और कई बड़े बजट की फिल्में फ्लाप हो चुकी हैं। ऐसे में बालीवुड कलाकार बहुसंख्यक समाज को लुभाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म अभिनेता आमिर खान की भी अपने घर में पूजा करते हुए तस्वीरें वायरल हुई थीं। सोमवार को उनकी फिल्म का एक गाना भी रिलीज हो रहा है। शाह रुख रविवार देर रात अपने कुछ साथियों के साथ मां वैष्णो देवी के भवन पहुंचे और और मां के चरणों में हाजिरी लगाई। इससे पूर्व वह देर रात कटड़ा के एक होटल में पहुंचे और कुछ देर विश्राम के उपरांत वाहन में सवार होकर नए ताराकोट मार्ग से आदिकुंवारी तक गए। वहां से बैटरी कार में सवार होकर भवन पहुंचे। रात्रि करीब 11:30 बजे वैष्णो देवी भवन में पहुंचे और सीधे मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए पवित्र गुफा में चले गए। शाहरुख खान ने अपने अन्य साथियों से मां वैष्णो देवी के चरणों में हाजिरी लगाकर पूजा अर्चना की। शाहरुख ने चेहरे पर मास्क लगाया था ताकि लोगों की पहचान में न आएं।

पहली नजर में गिन्नी हो गईं थी कपिल की दीवानी

पूरी दुनिया को अपने चुटकुलों से हंसाने वाले कॉमेडियन कपिल शर्मा 12 दिसंबर को अपनी चौथी सालगिरह सेलिब्रेट करेंगे। कपिल ने गिन्नी चतरथ के साथ लव मैरिज की थी। इस बात का जिक्र वह कई बार द कॉमेडी नाइट्स विथ कपिल शो में कर चुके हैं। कपिल की कॉमेडी को सिर्फ आम जनता ही नहीं, बल्कि सितारे भी पसंद करते हैं। यही वजह है कि उनका शो अक्सर हाउसफुल ही रहता है। इस कॉमेडियन में कभी अपने ही शो में इस बात का खुलासा किया था कि गिन्नी के साथ उन्होंने प्रेम विवाह किया है। लेकिन उनके साथ शादी का प्रयास करना कपिल शर्मा के लिए टेढ़ी खीर साबित हुआ था।

कपिल और गिन्नी की शादी बहुत ही मुश्किलों के बाद हुई थी। गिन्नी के पिता ने कपिल को रिजेक्ट कर दिया था,

जिसके बाद कपिल को बहुत पापड़ बेलने पड़े थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कपिल के मुकाबले गिन्नी की आर्थिक स्थिति अच्छी थी।

यही एक बात दोनों के रिश्ते के बीच में आ रही थी। जाति अलग होने की वजह से गिन्नी के पिता वैसे ही इस रिश्ते के लिए राजी नहीं थे। फिर कपिल की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने की वजह से भी उन्होंने रिश्ता ठुकरा दिया। कपिल ने एक बार बताया था कि उन्हें लगा था कि उनके रिश्ते का कोई फ्यूचर नहीं है, क्योंकि गिन्नी की आर्थिक स्थिति अच्छी थी और वे दोनों अलग-अलग जातियों से थे। इसलिए दोनों में ब्रेकअप कर लिया लेकिन गिन्नी ने कभी भी धैर्य नहीं खोया। उन्होंने बताया कि जब वह थोड़ा अच्छा कमाने लगे और उन्हें पहचान मिली तब उनकी मां ही गिन्नी यह रिश्ता लेकर गईं थीं। कपिल ने बताया जब मुंबई में सेटल हो गए, तब कई सारी चीजें हो रही थीं। लेकिन गिन्नी ने कभी भी अपना आपा नहीं खोया। सभी बाधाओं को पार करते हुए आखिरकार कपिल शर्मा ने गिन्नी से 12 दिसंबर, 2018 को शादी कर ली। आज कपल के दो प्यारे बच्चे हैं- एक बेटा और एक बेटी।

ऐसे शुरू हुई थी लव स्टोरी

कपिल शर्मा और गिन्नी की पहली मुलाकात एक ऑडिशन के दौरान हुई थी। एक रोज ऑडिशन देने के लिए गिन्नी के कॉलेज गए थे जहां पर गिन्नी भी ऑडिशन के लिए ही आई थीं। पुष्पक गिरने की 19 और कपिल की 24 साल। लड़कियों के ऑडिशन लेने के दौरान ही कपिल, गिन्नी से काफी इंप्रेस हुए। इसके बाद जब उन्होंने रिहर्सल शुरू की तो इनकी दोस्ती हुई। दरअसल गिन्नी को कपिल पहली नजर में पसंद आ गए थे। दोनों की यही दोस्ती आगे चलकर प्यार में बदल गई।

बॉयफ्रेंड संग वेकेशन मना रही हैं अंशुला कपूर

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर पिछले काफी समय से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में हैं। अंशुला की डेटिंग की खबरें इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। अंशुला कपूर ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरे और वीडियो शेयर किए हैं, जिसमे वह रोहन ठक्कर के साथ मस्ती करती नजर आ रही हैं। अंशुला कपूर इन दिनों बैंकॉक में छुट्टियां मना रही हैं। इस दौरान अंशुला ने सिंगर मरून का कॉन्सर्ट भी अटेंड किया और मस्ती की। इस दौरान उनके साथ रोहन ठक्कर नजर आए। अंशुला ने की तस्वीरों को देखकर साफ जाहिर हो रहा है कि उन्होंने अपने इस रिश्ते पर मुहर लगा दी है। फोटो में दोनों ही एक दूसरे में खोए हुए नजर आ रहे हैं। बता दें दोनों रिलेशनशिप में हैं, लेकिन ऑफिशियली किसी ने कुछ नहीं बोला है। अंशुला ने फोटोज शेयर कर कैप्शन दिया- मेरे जन्मदिन के महीने की मजेदार शुरुआत...बहुत डांस किया...रात के एक बजे फुट मसाज की जरूरत पड़ गई ताकि दर्द भूल सकूं... कभी मैंने अपने सबसे वाइल्ड सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं कभी कॉर्सेट टॉप पहनूंगी... और उसमें इतनी मस्ती करूंगी..।

कौन है रोहन ठक्कर

अंशुला कपूर जिस रोहन ठक्कर को डेट कर रही हैं वह एक एक स्क्रीनराइटर हैं। रोहन ने बॉलीवुड फिल्मों में तो काम नहीं किया है, लेकिन वो कुछ भाषाओं में स्क्रीनराइटर के तौर पर प्रोजेक्ट्स कर चुके हैं।

अजब-गजब | 26 साल बाद झील से बाहर आया गांव

भूतिया मानकर किया गया था पानी में दफन

इटली का एक मध्ययुगीन गांव जिसे लोग भूतिया गांव भी कहते हैं, वो काफी समय से झील के नीचे था लेकिन वो अब दोबारा से पुनर्जीवित हो गया है। इतालवी गांव फैब्रिश डी कैरीन की स्थापना 13वीं शताब्दी में लोहारों के एक समूह ने की थी और यह लोहे के उत्पादन के लिए प्रसिद्ध हो गया। लेकिन 1947 में एक हाइड्रोइलेक्ट्रिक डैम बनाया गया जिसके बाद उस गांव के निवासियों को पास के गांव वागली डी सोटो लेकर जाया गया।

इसके बाद यह सुंदर गांव हमेशा के लिए पानी के नीचे खो गया, जब एक कृत्रिम रूप से बनाई गई झील वगली के बनने के बाद यह पानी में डूब गया था। भले ही गांव पानी के नीचे डूब गया लेकिन आज भी इस गांव की इमारतें, सिमेट्री, पुल और चर्च सभी अविश्वसनीय रूप से वैसी की वैसी ही हैं। बता दें, इस गांव के बारे में कहा जाता है कि यह इस गांव में बुरी आत्माएं और भूत थे, इसलिए इसे झील बनाकर डुबो दिया गया था। जब से इस बांध का निर्माण हुआ है उसके बाद से मात्र चार बार इस डैम को खाली किया गया है वो भी रखरखाव कार्य के लिए। साल 1958, 1974, 1983 और 1994 में इस डैम को खाली किया गया

था उसके बाद इस गांव को देखने के लिए कई लोग आए थे। आखिरी बार जब गांव साल 1994 में दिखाई दिया था और उसके बाद हजारों लोगों इस भूतिया गांव को देखने आए थे। उस दौरान जो गांव की तस्वीरें ली गई थी उसमें साफ तौर पर दिखाई देता है कि गांव के घर की दिवारें अभी भी सही सलामत है। वगली दी सोतो के पूर्व महापौर की बेटी के अनुसार, एक बार फिर यह गांव सबके सामने आया है। लोरेंज़ा गियोर्गी ने एक फेसबुक पोस्ट में दावा किया है कि अगले साल झील को खाली कर दिया जाएगा। उन्होंने अपनी फेसबुक पोस्ट में लिखा, मैं आपको सूचित करती हूं कि, कुछ स्रोतों से मुझे पता है कि अगले साल, 2021 में, झील वागली को खाली कर दिया जाएगा। आखिरी बार इसे 1994 में खाली किया गया था जब मेरे पिता महापौर थे और उनकी प्रतिबद्धता और कई प्रयासों के कारण, एक गर्मियों में वागली के देश में एक लाख से अधिक लोगों का स्वागत किया था। उन्होंने आगे लिखा,1994 में मेरे पिता ने मुझे बताया कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों को आकर्षित करना मुश्किल था और यह सब कुछ प्रशासन पर बोझ के बिना किया गया था।

होया बस्यू है दुनिया का सबसे खतरनाक जंगल

दुनिया में कई रहस्यमयी जगहें हैं जो लोगों को रोमांचित करती है और लोग इनका रहस्या जानने के लिए उत्सुक रहते हैं लेकिन इनके रहस्य आज तक सामने नहीं आए हैं। कई जगह ऐसे भी होती हैं जो रहस्यमयी होने के साथ साथ डरावनी होती हैं और लोग इन जगहों पर जाने से डरते भी हैं। ऐसे ही एक जगह है रोमानिया के ट्रांसिल्वेनिया प्रांत, जहां कई तरह की अजीबोगरीब घटनाएं हुई हैं और लोग यहां जाने से भी डरते हैं। इसी प्रांत में एक जंगल है होया बस्यू, जिसके बारे में कहा जाता है कि वहां जो भी गया कभी लौटकर वापस नहीं आया। होया बस्यू ट्रांसल्वेनिया प्रांत के क्लुज काउंटी में स्थित है। इस जगल में घटती रहस्यमय घटनाओं के कारण इसे ट्रांसल्वेनिया का बरमूडा ट्राएंगल भी कहा जाता है होया बस्यू करीब 700 एकड़ में फैला हुआ है। कहा जाता है कि इस जंगल में जाने के बाद कई लोग अभी तक गायब हो चुके हैं और इस जंगल के पेड़ मुड़े हुए और टेढ़े-मेढ़े दिखाई देते हैं, जिसके कारण इसे भूत-प्रेत और यूएफओ से जोड़कर देखा दाता है। होया बस्यू का नाम एक चरवाहे के नाम पर पड़ा है। सदियों से इस तरह की कहानी प्रचलित है कि एक व्यक्ति जिसका नाम होया बस्यू था वो 200 भेड़ के झुंड के साथ जंगल में लापता हो गया था। उस व्यक्ति और उन भड़ों का कभी कुछ पता नहीं चला। इतना ही नहीं होया बस्यू ने साल 1968 में विश्व का ध्यान अपनी ओर खीचा था। दरअसल, एक सैन्य अधिकारी तकनीशियन एमिल बरनिया ने दावा किया था कि उसने एक यूएफओ की फोटो अपने कैमरे में कैद की है, जो उस समय जंगल के ऊपर उड़ा रहा था। हालांकि, अन्य यूएफओ की कहानियों की तुलना में इसमें काफी अंतर था। क्योंकि उड़नतश्तरी को देखने का दावा करने वाले एमिल बरनिया को सरकार ने नौकरी ने निकाल दिया था।

जौनपुर में सभासद की गोली मारकर हत्या

» फिल्मी स्टाइल में बदमाशों ने मारी गोली छह पर केस दर्ज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जौनपुर। यूपी के जौनपुर में निकाय चुनाव के ठीक पहले बदमाशों ने सोमवार रात एक सभासद की गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि सभासद बदलापुर थाने का हिस्ट्रीशीटर भी था। बीते एक दिसंबर को ही जेल से छूट कर आया था। रात में हिस्ट्रीशीटर बदलापुर थानाक्षेत्र के रामजानकी चौराहे स्थित चाय की दुकान पर बैठा था। तभी बदमाशों ने ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी।

घायलावस्था में उसे जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। परिजन चुनावी रंजिश में हत्या का आरोप लगा रहे हैं। थानाक्षेत्र के ही सुल्तानपुर गांव निवासी योगेश कुमार यादव (32) बदलापुर नगर पंचायत के वार्ड नंबर 14 से सभासद था, उसके खिलाफ थाने में दो दर्जन से अधिक मामले भी दर्ज थे। एक मामले में उसे जेल भेजा गया था। सोमवार रात योगेश अपने साथियों संग रामजानकी चौराहे की एक चाय की दुकान पर बैठा था। तभी वहां फिल्मी स्टाइल में दो बदमाश

पहुंचे और योगेश यादव को निशाना बनाकर गोली चलाने लगे। फायरिंग होते ही वहां भगदड़ मच गई। बदमाशों की एक गोली सिर में लगते ही योगेश वहीं गिर गया। हमला करने के बाद बदमाश वहां से फरार हो गए। जानकारी होते ही परिजन मौके पर पहुंचे और उसे जिला अस्पताल ले गए। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

योगेश यादव की हत्या के बाद सीओ बदलापुर शुभम तोड़ी, कोतवाल योगेंद्र सिंह दलबल के साथ मौके पर पहुंच गए। परिजन से पूछताछ में चुनावी रंजिश में हत्या की बात सामने आई। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पट्टी दयाल गांव के प्रधान बंटी दुबे सहित 6 लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। वारदात के बाद से ही सभी आरोपी फरार हो गए हैं। हिस्ट्रीशीटर की हत्या के बाद पुलिस लगातार गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। कई लोगों को थाने में लाकर पूछताछ भी की जा रही है। सीओ शुभम तोड़ी ने बताया कि योगेश यादव थाने का हिस्ट्रीशीटर था, उसकी हत्या के आरोप में 6 लोगों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज हुआ है।

ये सभी फरार चल रहे हैं, लेकिन जल्द ही इन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। 6 माह पूर्व योगेश कुमार यादव ने क्षेत्र के एक ग्राम प्रधान की पिटाई की थी। इस पिटाई में ग्राम प्रधान अधमरा हो गया था। बताया जा रहा है कि ग्राम प्रधान पर भी पहले से ही संगीन धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं।

पीड़ित पक्ष का आरोप, विधायक ने कराई हत्या

योगेश यादव के भाई सर्वेश यादव जब जिला अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने हत्याकांड के पीछे एक विधायक का नाम लेना शुरू कर दिया। सर्वेश यादव ने आरोप लगाया कि विधायक के ही इशारे पर योगेश के खिलाफ मुकदमे दर्ज कराए गए थे और अब हत्या करा दी गई है। विधायक पर आरोप लगने के बाद जिले में राजनीति में गरम हो गई है।

कानपुर में ब्लॉक प्रमुख के भतीजे को पीट-पीटकर मार डाला

» खेतों में जानवर छोड़ने पर हुआ विवाद, बाप-बेटा गिरफ्तार

कानपुर। यूपी के कानपुर में बीजेपी ब्लॉक प्रमुख के भतीजे की गोली मारकर हत्या कर दी गई। सोमवार देर रात खेतों में जानवर छोड़े जाने को लेकर परिवारिक चाचा और उनके बेटे से विवाद हुआ था। बाप और बेटे ने पहले शरद को लाठी डंडो से पीटा, इसके बाद उसको गोली मार दी। शरद के सीने में गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद बाप और बेटा मौके से भाग रहे थे। ग्रामीणों ने दोनों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई करने के बाद पुलिस को सौंप दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। वहीं हत्यारोपी घायलों को हैलट अस्पताल में भर्ती कराया है। बिल्हौर थाना क्षेत्र स्थित ढाकापुरवा गांव में रहने वाले दिनेश द्विवेदी की बहन अनुराधा अवस्थी बीजेपी से कल्यानपुर ब्लॉक प्रमुख हैं। दिनेश द्विवेदी खेती किसानी का काम करते हैं। दिनेश का बेटा शरद (25) इलेक्ट्रॉनिक की शॉप में काम करता है। दिनेश द्विवेदी के भाई प्रवीण के खेतों पर आलू की फसल बोई गई है। सोमवार रात खाना खाने के बाद प्रवीण खेतों की रखवाली करने के लिए जा रहे थे। इसी दौरान शरद भी उनके साथ खेतों पर पहुंच गया। शरद के परिवारिक चाचा जयंत और उनका बेटा हिमांशू पहले से ही खेतों पर असलहों के साथ मौजूद थे। मृतक के पिता दिनेश ने बताया कि हमारे खेतों से निकल कर जानवर जयंत के खेतों में चले गए। इस पर जयंत ने आरोप लगाया कि शरद ने जानबूझकर जानवरों को मेरे खेतों की तरफ हांक दिया है। इसी बात पर मारपीट शुरू हो गई। पिता-पुत्र ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसमें एक गोली शरद के सीने जा लगी। शरद ने माके पर दम तोड़ दिया।

नगर निकाय चुनाव की तैयारियां आप ने की तेज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली एमसीडी चुनाव में जीत हासिल करने के बाद अब आम आदमी पार्टी (आप) उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव में भी ताल ठोकने को तैयार है। पार्टी ने यूपी में होने वाले निकाय चुनाव की तैयारियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सभी सीटों पर चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी और सांसद संजय सिंह ने कहा कि महापौर, चेयरमैन और वार्डो के आरक्षण की आपत्तियों का निस्तारण होने के साथ ही प्रत्याशियों के चयन का काम शुरू कर दिया जाएगा। पार्टी कार्यालय में पत्रकारों

से बातचीत में उन्होंने कहा कि निकाय चुनाव को देखते हुए पार्टी ने बूथ स्तर कर के संगठन को मजबूत किया है। सभी सीटों पर मजबूत उम्मीदवार उतारे जाएंगे। चुनाव में शहरों की बेहतर सफाई व्यवस्था भी मुख्य मुद्दा रहेगा।

मीट के नाम पर बंद हो मुसलमानों का उत्पीड़न : शौकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली का विवादास्पद बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि मीट के नाम पर मुसलमानों की लिंचिंग हो रही है। भारतीय जनता पार्टी पर भी उन्होंने करारा तंज कसा है।

शौकत अली का बयान इस मायने में भी काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि हाल ही में हुए उप चुनाव में एक बार फिर मुस्लिम मतदाताओं का रुझान बंटता हुआ दिखा है। ऐसे में एआईएमआईएम अपनी स्थिति को प्रदेश में मजबूत बनाने की कोशिश करती दिख रही है। नगर निकाय चुनाव में पार्टी की ओर से उम्मीदवार उतारे जाने की तैयारी है।

सुक्खू सरकार के मंत्रिमंडल का गठन 16 दिसंबर तक टला

» भारत जोड़ो यात्रा के 100 दिन पूरे होने पर विधायक सांसद कार्यक्रम में होंगे शामिल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश नव निर्मित सरकार के मंत्रिमंडल का गठन 16 दिसंबर तक टल गया है। 16 दिसंबर को प्रदेश के मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री सहित सभी विधायक राजस्थान के अलवर में भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होंगे।

दरअसल, 16 दिसंबर को राहुल गांधी की यात्रा को 100 दिन पूरे होने हैं। इसलिए देश भर में कांग्रेस के सभी विधायकों, सांसदों को इस दिन यात्रा में शामिल होने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री दिल्ली दौरे के दौरान पार्टी आलाकमान के साथ मंत्रिमंडल के गठन को लेकर मंत्रियों के नामों पर चर्चा करेंगे। 15 दिसंबर की रात को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला की ओर से प्रदेश के विधायकों को डिनर दिए जाने की सूचना है। ऐसे में संभावित है कि मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले विधायकों के नामों का ऐलान 17 दिसंबर को या उसके बाद ही होगा।

दिल्ली में मंत्रियों के नाम तय होने की सूचना मिलते ही प्रदेश कांग्रेस के कई विधायकों ने सोमवार शाम को ही शिमला से दिल्ली की राह पकड़ ली। शिमला और कांगड़ा जिला से मंत्रियों को चुनने के लिए पार्टी को खूब माथापच्ची करनी पड़ रही है।

सांसद रवि किशन के बयान ने छेड़ी नई बहस!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर भाजपा सांसद और भोजपुरी फिल्म अभिनेता रविकिशन ने एक नई बहस छेड़ दी है। रविकिशन के इस बयान के बाद भाजपा नेताओं के भी पसीने छूट रहे हैं। इस पर 6 बजे परिचर्चा हुई! जिसमें राजनीतिक विश्लेषक डा. अनिल जयहिंद, वरिष्ठ पत्रकार अशोक वानखेड़े, वरिष्ठ पत्रकार समीरात्मज मिश्रा, किसान नेता, डॉ. सुनीलम के साथ अभिषेक कुमार की लम्बी परिचर्चा हुई।

समीरात्मज मिश्रा ने कहा, रविकिशन के बयान के बयान को सिर्फ हम लोग इसलिए बयान समझ रहे हैं क्योंकि वो सांसद हैं और ये और भी दुर्भाग्य की बात है सांसद बनने के बाद भी उनका मसखरापन नहीं गया गंभीर मुद्दों पर भी वो इस तरीके की बात करते हैं। जो अपने कहा जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने की कोशिश हुई है और होनी भी चाहिए कानून बनाना चाहिए जिससे जन जागरूकता बनी रहे। डॉ.

सुनीलम ने कहा, रविकिशन ने जो बात कही उससे उनकी खुद की पत्नी का कितना अपमान होगा ये शायद उनको अभी समझ न आये जो आज तक अपनी शूटिंग में व्यस्त रहा उसको क्या बोलना चाहिए ये कैसे पता होगा। ये जो भाषा ये बहुत ज्यादा शर्मनाक हैं और गैर जिम्मेदारी वाला बयान हैं ये जो बिल लाया गया हैं ये पहली बार नहीं हैं लगातार ऐसी बिल आई हैं। अशोक वानखेड़े ने कहा, ये कानून अगर आ जाता तो उस हिसाब से हम यहां नहीं होते सवाल वो नहीं हैं सवाल ये हैं जब हम जिस छिछोरे आदमी की बात डिस्कस कर रहे हैं तो सरे इशू छिछोरे हो जाते हैं और मुझे लगता हैं मिश्रा जी नहीं सही कहा ये बहुत वाहियात किस्म का पॉलिटिशयन हैं जो सांसद में बैठते हैं। जब सवाल बच्चा पैदा करने और जनसंख्या नियंत्रण कानून लाने का था तो आपने कहा मैं आपके जैसे एक्सपीरियस नहीं हूं तो मैं सकते में आ गया की इसमें बच्चे पैदा करने का एक्सपीरियस गिना जाएगा क्या।

कानून अपने हिसाब से बनते हैं कानून का अपना रोल हैं समाज में। डॉ. अनिल जयहिंद ने कहा, जनसंख्या दर कम करना चाहिए में ख्याल से इसमें सभी सहमत हैं क्यूंकि अगर बेतहाशा जनसंख्या बढ़ जायेगी यहां काम संसाधन हैं गरीब देश हैं लेकिन ये भी एक सच्चाई हैं कि 1951 के बाद लगातार हमारे देश में जनसंख्या वृद्धि दर कम हो रहा इसमें को आंकड़े हैं नए आंकड़े जो 1951 वृद्धि दर था वो 2.1 था।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

दिल्ली को नए साल की सौगात 450 तरह के टेस्ट मिलेंगे मुफ्त

» सरकारी अस्पतालों व मोहल्ला क्लीनिकों पर मिलेगी यह मेडिकल सुविधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एमसीडी चुनाव में मिली शानदार जीत और राष्ट्रीय पार्टी बनने के बाद आम आदमी पार्टी के हौसले काफी बुलंद हैं। अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली वालों को नए साल पर एक बड़ा तोहफा देने का ऐलान कर दिया है।

सीएम केजरीवाल ने स्वास्थ्य विभाग के बेहद अहम प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस नए प्रस्ताव की मंजूरी के बाद अब राजधानी दिल्ली में एक जनवरी से 450 तरह के मेडिकल टेस्ट मुफ्त होंगे। केजरीवाल सरकार के मोहल्ला क्लीनिक और सरकारी अस्पताल में यह टेस्ट मुफ्त होंगे। अभी तक 212 तरह के टेस्ट मुफ्त हो रहे हैं। इस योजना का लाभ दिल्ली के सभी नागरिकों को मिलेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को ट्वीट कर लिखा कि हमारा मिशन है, सभी को अच्छी स्वास्थ्य सेवाएं और शिक्षा प्रदान करना है, चाहे किसी की आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। हेल्थकेयर भी महंगा हो गया है। बहुत से लोग निजी स्वास्थ्य सेवा का खर्च नहीं उठा सकते। दिल्ली सरकार के इस फैसले से ऐसे सभी लोगों को मदद मिलेगी। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार द्वारा चलाए जा रहे मोहल्ला क्लीनिक लगातार आम आदमी और गरीब लोगों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रहे हैं।

आचार संहिता हटते ही सरकार का ऐलान

इससे पहले दिल्ली राज्य चुनाव आयोग ने एमसीडी चुनाव के तहत लगी आदर्श आचार संहिता को हटा दिया था। जिसके बाद केंद्र और राज्य सरकार अपनी योजनाओं की घोषणा कर सकते थे और उनके तहत कार्य शुरू कर सकते थे। लिहाजा अब केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार, एमसीडी व अन्य एजेंसियां अब लंबित नई योजनाओं के तहत कार्य शुरू कर सकेंगी। इसके अलावा नई योजनाएं बनाने के साथ-साथ उनका ऐलान भी कर सकती हैं। इसलिए आचार संहिता हटते ही मुख्यमंत्री केजरीवाल ने दिल्लीवासियों को एक बड़ा तोहफा देते हुए इस अहम प्रस्ताव को पारित कर बड़ी घोषणा की। दिल्ली राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, एमसीडी के चुनाव की तमाम प्रक्रियाएं पूरी हो गई हैं।

शरद पवार को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। एनसीपी प्रमुख शरद पवार को जान से मारने की धमकी मिली है। बताया जा रहा है कि शरद पवार के सिल्वर ओक स्थित उनके आवास पर किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन करके यह धमकी दी।

इस मामले में ग्रामदेवी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया है। केस दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। धमकी देने के मामले में नारायण सोनी नाम के एक शख्स का नाम सामने आया है। वह बिहार का रहने वाला है। पुलिस की टीम उसे गिरफ्तार करने के लिए निकल चुकी है। धमकी देने वाले एक अज्ञात व्यक्ति ने सिल्वर ओक निवास पर फोन किया। उसने शरद पवार को जान से मारने की धमकी दी। सिल्वर ओक में तैनात एक पुलिस फोन ऑपरेटर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उस शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आगे की जांच कर रही है।

सीएम को पत्र लिख भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ उठाई जांच की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अयोध्या। जिले के माध्यमिक शिक्षा के ज्वाइंट डायरेक्टर अरविंद पांडे पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी के मीडिया प्रभारी डॉ. रजनीश सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र को लिखकर उनके खिलाफ सीबीआई और ईडी की जांच करने और अयोध्या से हटाने की अपील की है।

भारतीय जनता पार्टी, उत्तर प्रदेश
BHARTIYA JANTA PARTY, UTTAR PRADESH
डा० रजनीश सिंह
मीडिया प्रभारी, अयोध्या
13-12-22
प्रतिष्ठा में
माननीय मुख्यमंत्री पूज्य गोरक्ष पीठाधीश्वर
श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज
सादर चरण स्पर्श
विषय ज्वाइंट डायरेक्टर श्री अरविंद पांडे के अनैतिक भ्रष्टाचार के संबंध में
महोदय
सादर अवगत कराना है कि जनपद अयोध्या में माध्यमिक शिक्षा के ज्वाइंट डायरेक्टर श्री अरविंद पांडे के द्वारा जनपद में अपने पद पर रहते हुए समय-समय पर भ्रष्टाचार के तमाम कार्य किये जा रहे हैं।पूर्व में भी अरविंद पांडे के भ्रष्टाचार की कहानियां सर्वविदित है इनके द्वारा अनैतिक तरीके से संगठन, संस्था,ट्रस्ट बनाकर धन उगाही की गई है, पूर्व की सरकारों में इनके द्वारा भर्ती प्रक्रिया में घोटाला किया गया है। महोदय आपके सत्ता में आते हैं आपने इस भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश किए थे लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों की सांठगांठ और जांच एजेंसियों की मिलीभगत से अरविंद पांडे के द्वारा उस जांच को ठंडे बस्ते में डलवा दिया गया महोदय मेरी आपसे प्रार्थना है कि आपके द्वारा अबकी पूर्व जितनी भी जाते अरविंद पांडे के खिलाफ आदेश की गई है उसकी कोई परिणीति आज तक नहीं निकल पाई है महोदय मेरी आपसे प्रार्थना है कि इस महाभ्रष्ट अधिकारी को जनपद अयोध्या के बाहर कहीं भी भेज कर उनके समस्त कारनामों की जांच प्रवर्तन निदेशालय या सीबीआई से कराने की कृपा करें हम आपके आभारी रहेंगे
सादर
(डॉ रजनीश सिंह)

पत्र में बताया गया कि अरविंद पांडे द्वारा अपने पद पर रहते हुए समय-समय पर भ्रष्टाचार के तमाम कार्य किए जा रहे हैं। इससे पहले भी अरविंद पांडे द्वारा अनैतिक तरीके से संगठन, ट्रस्ट व संस्था का गठन करके धन की उगाही की गई है। इतना ही नहीं पहले की सरकारों में भर्ती प्रक्रिया में भी इन पर घोटाले का आरोप लगा है। हालांकि, योगी सरकार के सत्ता में आते ही अरविंद पांडे के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए थे, मगर अधिकारियों से सांठगाठ व जांच एजेंसियों की मिलीभगत के चलते उस जांच को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। ऐसे में अरविंद पांडे द्वारा लगातार भ्रष्टाचार का खेल अभी तक जारी है। इसलिए पत्र में सीएम योगी से भ्रष्ट ज्वाइंट डायरेक्टर के खिलाफ सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की जांच कराने की मांग की गई। अब देखना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ क्या कदम उठाए जाते हैं।

फोटो :4 पीएम

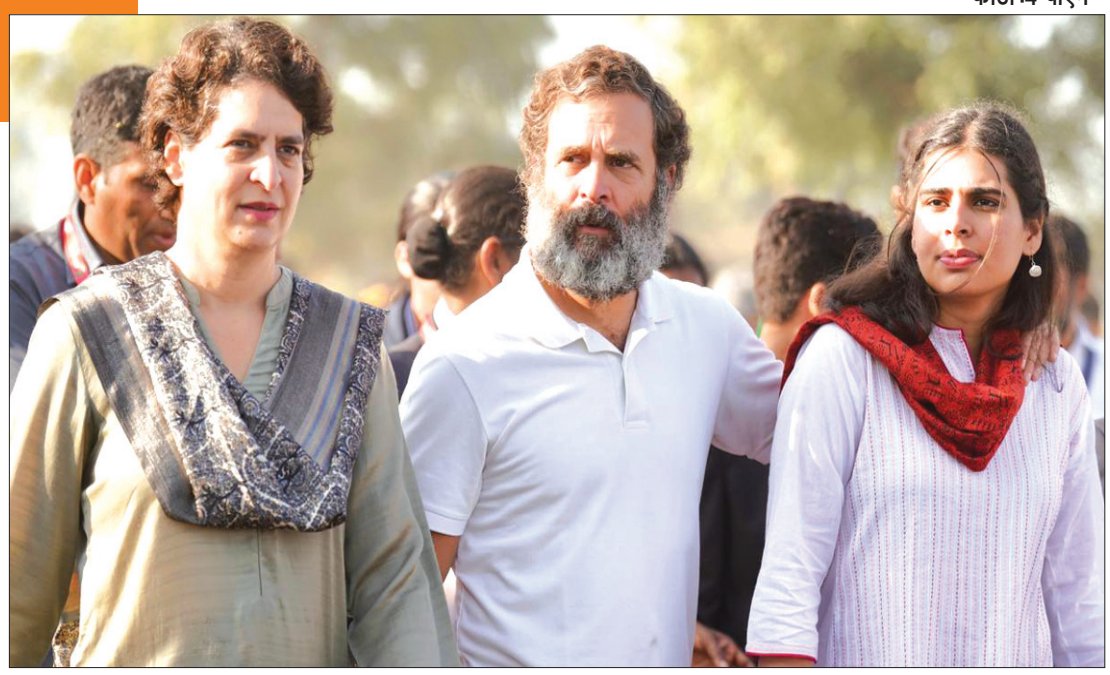

यात्रा राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में बेटी मिराया वाड्रा के साथ शामिल हुईं प्रियंका गांधी।

100 दिन की यात्रा का जयपुर में जश्न मनाएगी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। कन्याकुमारी से 7 सितंबर को शुरू हुई राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो' यात्रा 16 दिसंबर को 100 दिन पूरे कर रही है। इस दिन जयपुर में बॉलीवुड सिंगर सुनिधि चौहान का म्यूजिक इवेंट होगा। इवेंट में राहुल गांधी सहित सभी यात्री भी शामिल होंगे।

हिमाचल प्रदेश के नए मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सहित कांग्रेस के सभी 40 विधायक भी इस दिन यात्रा का हिस्सा होंगे। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने बताया कि 16 दिसंबर को ही राहुल गांधी दौसा में एक प्रेस कांफ्रेंस भी करेंगे। राहुल की यात्रा का आज राजस्थान में 9वां दिन है। यात्र सवाई माधोपुर में चल रही है। इससे पहले आज सुबह यात्रा में एक बेरोजगार उर्दू टीचर ने राजस्थान सरकार के स्टाफिंग पैटर्न की राहुल से शिकायत की। सवाई माधोपुर के इकराम अहमद ने कहा कि मुसलमानों को केवल वोट बैंक समझा जाता है, वोट के लिए याद किया जाता है, लेकिन जब मुसलमान को हक देने की बात आती है तो वह नहीं मिलता।

कॉलेजियम की बैठक में इसी सप्ताह नए नामों पर मंथन संभव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। जस्टिस दीपांकर दत्ता के सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बनने के बाद अब सुप्रीम कोर्ट का कॉलेजियम सरकार के पास एक बार फिर से नए नामों की सिफारिश कर सकता है। जानकारी के मुताबिक, सरकार को नए नाम भेजने के लिए कॉलेजियम इसी सप्ताह बैठक बुला सकता है। इस बैठक में चीफ जस्टिस समेत पांच जज होंगे, जो कि नए नामों पर मंथन करेंगे।

बता दें कि हाल ही में सरकार ने कॉलेजियम की ओर से सुझाए गए 19 नामों को खारिज कर दिया था और फाइल लौटा दी थी। लगभग दो महीनों तक फाइल अपने पास रखने के बाद ही सरकार ने दीपांकर दत्ता की नियुक्ति को मंजूरी दी थी। वहीं इससे पहले सुप्रीम कोर्ट की कॉलेजियम भी इस इंतजार में था कि जस्टिस दीपांकर के नाम पर मुहर लगने तक वह नए नामों की सिफारिश सुप्रीम कोर्ट के पास नहीं भेजेगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, कॉलेजियम इस बार सरकार के पास 10 नए नामों की सिफारिश भेजेगा जिनमें हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और वरिष्ठ जजों को प्राथमिकता दी जाएगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।